पंचमुखी रूप दिखाइए हो ज्योत पे भजन लिरिक्स

पंचमुखी रूप दिखाइए हो ज्योत पे,

संकट काटण आइये हो ज्योत पे,
झुमके बाबा छाईए हो ज्योत पे।bd।

सजा तेरा दरबार बालाजी,
भूत पे गेर दे मार बालाजी,
पंचमुखी रूप दिखाइए हो ज्योत पे,
झुमके बाबा छाईए हो ज्योत पे।bd।

धर दिया तेरा लाल लंगोटा,
हो संकट पे बजन दे सोट्टा,
भूता का मुंह खुलवाईये हो ज्योत पे,
झुमके बाबा छाईए हो ज्योत पे।bd।

बांध के इनके साथ बेल में,
प्रेतराज के गेर जेल में,
भैरव नाथ ने आइये हो ज्योत पे,
झुमके बाबा छाईए हो ज्योत पे।bd।

शहर मारपुर भगत तेरा स,
सतबीर भगत तेरी शरण पड़ा स,
सुमित का भाग जगाइये हो ज्योत पे,
झुमके बाबा छाईए हो ज्योत पे।bd।

संकट काटण आइये हो ज्योत पे,
झुमके बाबा छाईए हो ज्योत पे।bd।

भजन गायक – मुकेश शर्मा।
प्रेषक – शिवांगिनी ठाकुर।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com